



pankj



1

Model: Horoscope-Matching

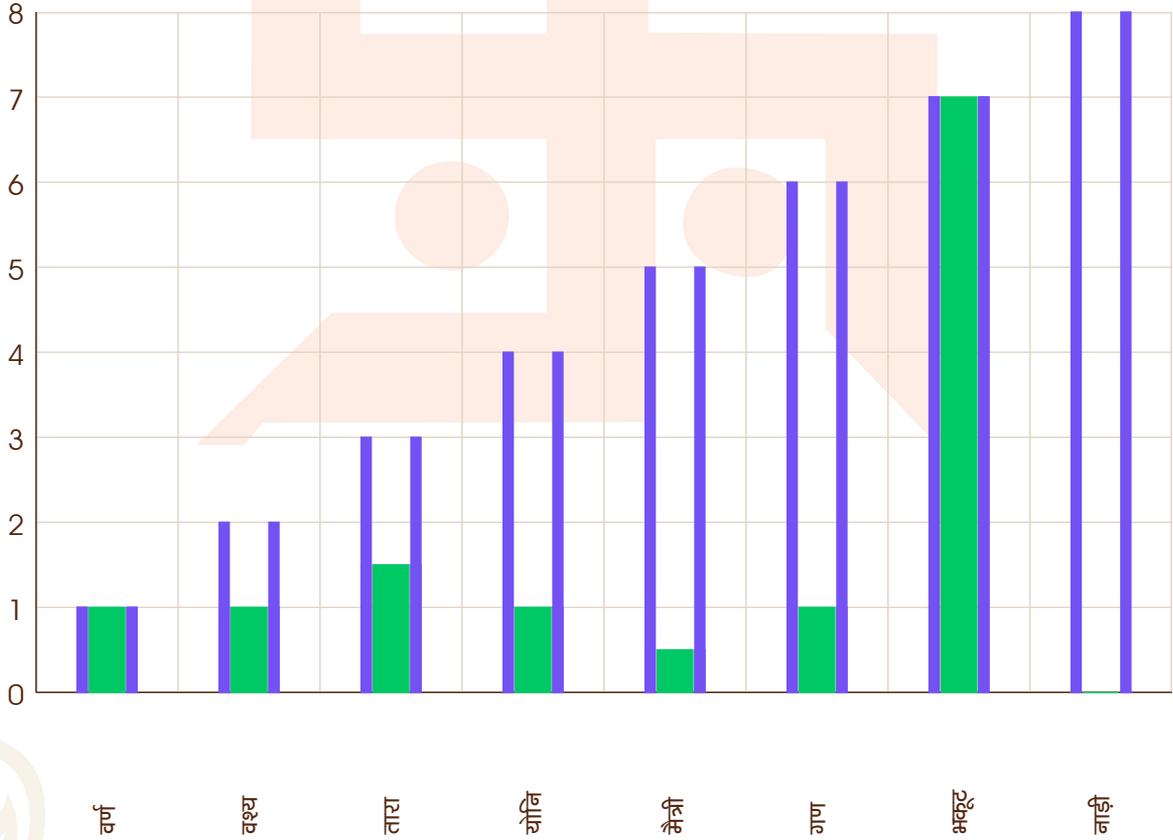
Order No: 121417001

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
23-24/03/1983 :	जन्म तिथि	: 16/12/1987
बुध-गुरुवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 05:05:00 :	जन्म समय	: 17:08:00 घंटे
घटी 56:42:04 :	जन्म समय(घटी)	: 24:43:40 घटी
India :	देश	: India
Bilaspur :	स्थान	: Kangra
31:18:00 उत्तर :	अक्षांश	: 32:04:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:24:10 :	सूर्योदय	: 07:18:30
18:36:12 :	सूर्यास्त	: 17:22:06
23:37:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:41:20
कुम्भ :	लग्न	: वृष
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
कर्क :	राशि	: तुला
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: शुक्र
पुष्य :	नक्षत्र	: चित्रा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
1 :	चरण	: 4
अतिगण्ड :	योग	: शोभन
गर :	करण	: बव
हू-हुकमसिंह :	जन्म नामाक्षर	: री-रीतिका
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु
विप्र :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
मेष :	योनि	: व्याघ्र
देव :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मेष :	वर्ग	: मृग

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : 13 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।
नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि pankj का नक्षत्र पुष्य है।
pankj का वर्ग मेष है तथा 1 का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार pankj और 1 का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

pankj मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।
1 मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।
pankj तथा 1 में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

pankj का वर्ण ब्राह्मण तथा 1 का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। 1 सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। 1 एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

pankj का वश्य जलचर है एवं 1 का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में 1 अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि pankj उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

pankj की तारा क्षेम तथा 1 की तारा वध है। 1 की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह pankj एवं 1 दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। 1 अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

pankj की योनि मेष है तथा 1 की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुँच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में pankj का राशि स्वामी 1 के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि 1 का राशि स्वामी pankj के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

pankj का गण देव तथा 1 का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में 1 निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। 1 की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

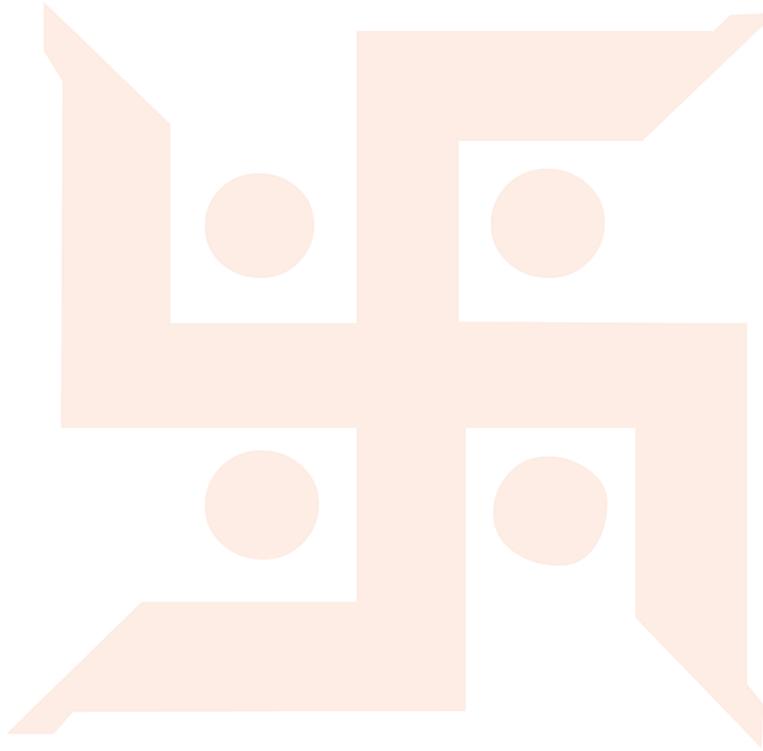
भकूट

pankj से 1 की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा 1 से pankj की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण pankj परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर 1 घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

pankj की नाड़ी मध्य है तथा 1 की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में pankj एवं 1 का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं।

अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

pankj की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा 1 की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। जलतत्व एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण pankj और 1 के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेगी जिससे मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

pankj और 1 की जन्म राशियां परस्पर शत्रु एवं सम भाव में पड़ती है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं है। इसके प्रभाव से उनके मध्य मतभेद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वाद विवाद में बुद्धि होगी तथा परस्पर संबंधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। यदि सामंजस्य से कार्य किया जाय तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

pankj और 1 की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से pankj और 1 एक दूसरे के प्रति सहयोग सम्मान एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। तथा मन में आकर्षण भी रहेगा। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता आएगी। 1 की प्रवृत्ति गृह कार्यों के प्रति अधिक रहेगी तथा घर एवं बच्चों के प्रति पूर्ण ध्यान रखेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा सुख पूर्वक जीवन व्यतीत होगा।

pankj का वश्य जलचर एवं 1 का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर के मध्य नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण pankj और 1 की अभिरुचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक विषमता भी बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त एक दुसरे की काम भावनाओं की शांति एवं सन्तुष्टि में भी असमर्थ से रहेंगे।

pankj का वर्ण ब्राह्मण तथा 1 का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों की कार्य क्षमता में भी असमानता रहेगी। pankj शैक्षणिक क्षेत्र शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। 1 की प्रवृत्ति परिश्रम एवं ईमानदारी से किसी भी कार्य को करने के लिए तत्पर रहेंगी।

धन

pankj और 1 दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

pankj और 1 दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे pankj और 1 दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से pankj को धातु संबंधी तथा 1 को मासिक धर्म संबंधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से pankj और 1 का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त pankj और 1 के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में 1 के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन 1 को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में 1 को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से pankj और 1 सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार pankj और 1 का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

1 के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से 1 को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। 1 भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से 1 को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए 1 उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी 1 के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा

आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का 1 के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

pankj के अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में pankj के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण pankj के प्रति सामान्य ही रहेगा।